University in News on 15 June 2025

HINDUSTAN PAGE 8

यूजी में 25 और पीजी के लिए 30 तक कर सकेंगे आवेदन

एलयू

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षिक सत्र 2025-26 प्रवेश प्रक्रिया के तहत स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन तिथि बढ़ा दी है। अब अभ्यर्थी यूजी पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए 25 और पीजी कोर्स के लिए 30 जून तक ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भर सकते हैं।

अभी तक स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों में आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 जून तय थी। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय ने स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 17 अप्रैल से आवेदन फॉर्म भरने की प्रक्रिया शुरू की थी। पीजी पाठ्यक्रमों में आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून तय की गई थी। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने छात्र हित में निर्णय लेते हुए यूजी और पीजी पाठ्यक्रमों में आवेदन फॉर्म भरे जाने की तिथि बढ़ा दी है। ऐसे में जिन अभ्यर्थियों ने सीयूईटी में आवेदन नहीं किया है और वह लखनऊ विश्वविद्यालय से पढ़ाई करना चाहते हैं, उनके लिए फॉर्म भरने का यह बेहतर अवसर है। अभ्यर्थी विवि की वेबसाइट lkouniv.ac.in पर समर्थ पोर्टल से आवेदन कर सकते हैं। अलग-अलग पाठ्यक्रमों का आवेदन शुल्क व अन्य सभी जरूरी सूचनाएं विवि की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

समस्या आने पर अभ्यर्थी 0522-4150500 पर संपर्क कर सकते हैं। यहां यूजी स्तर पर विभिन्न पाठ्यक्रमों में 4250 और पीजी के कोर्सों में 5062 सीटें हैं। कई डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा व सर्टिफिकेट कोर्स भी हैं।

नेशनल पीजी में प्रवेश के फॉर्म 30 तक भरे जाएंगे

नेशनल पीजी कॉलेज में शैक्षिक सत्र 2025-26 प्रवेश प्रक्रिया के लिए आवेदन की तिथि बढ़ा दी है। अब यहां 30 जून तक ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम में फॉर्म भरा जा सकेगा। प्राचार्य प्रो. देवेंद्र सिंह के मुताबिक, आवेदन के लिए यह अंतिम बार तिथि विस्तारित की गई है, अब इसके बाद नहीं बढ़ाई जाएगी। कॉलेज में सात, आठ और नौ जुलाई को प्रवेश परीक्षा प्रस्तावित है।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

लविवि में यूजी-पीजी में प्रवेश के लिए आवेदन की तिथि बढ़ी

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन तिथि बढ़ा दी है। अब अभ्यर्थी स्नातक में 25 जून और परास्नातक में 30 जून तक ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भर सकते हैं। अभी तक स्नातक पाठ्यक्रमों में आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून थी।

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने छात्र हित में निर्णय लेते हुए आवेदन फॉर्म भरे जाने की तिथि बढ़ा दी है। ऐसे में जिन अभ्यर्थियों ने सीयूईटी में आवेदन नहीं किया है और वह लविवि से पढ़ाई करना चाहते हैं, उनके लिए फॉर्म भरने का यह बेहतर अवसर है। अभ्यर्थी विवि की वेबसाइट lkouniv.ac.in पर समर्थ पोर्टल से आवेदन कर सकते हैं।

- **स्नातक पाठ्यक्रमों में 4250 और परास्नातक के कोर्स में 5062 सीटें :** अलग-अलग पाठ्यक्रमों का आवेदन शुल्क व अन्य सभी जरूरी सूचनाएं विवि की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। समस्या आने पर अभ्यर्थी 0522-4150500 पर संपर्क कर सकते हैं। यूजी स्तर पर विभिन्न पाठ्यक्रमों में 4250 और पीजी के कोर्सों में 5062 सीटें हैं। इसके अलावा कई डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा व सर्टिफिकेट कोर्स भी हैं।

स्नातक में 25 जून और परास्नातक में 30 जून तक कर सकेंगे आवेदन

- **नेशनल पीजी में अब 30 जून तक आवेदन :** शहर के एक मात्र स्वायत्त महाविद्यालय नेशनल पीजी कॉलेज में प्रवेश के लिए आवेदन की तिथि बढ़ा दी है। अब यहां 30 जून तक ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम में फॉर्म भरा जा सकेगा। प्राचार्य प्रो. देवेंद्र सिंह के मुताबिक यह अंतिम बार तिथि विस्तार किया गया है। 7, 8 और 9 जुलाई को प्रवेश परीक्षा प्रस्तावित है।

शरीर, मन और ऊर्जा-तंत्र को शुद्ध करता है षट्कर्म

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में योग विभाग की ओर से 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के तहत षट्कर्म कार्यशाला का आयोजन हुआ। संकाय समन्वयक डॉ. अमरजीत यादव ने योगाभ्यास में षट्कर्मों का महत्व बताते हुए कहा कि षट्कर्म योग की वह विशेष प्रणाली है, जो शरीर, मन और ऊर्जा-तंत्र की शुद्धि के लिए की जाती है। कार्यशाला में योगाचार्य अर्जुन कुमार श्रीवास्तव ने षट्कर्मों नेति, त्राटक, कपालभाति का अभ्यास कराया। (संवाद)

NBT PAGE 8

LU: 25 जून तक होंगे दाखिले के लिए आवेदन

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊ:** लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक व पीजी पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन की तारीख को बढ़ा दी गई है। विवि प्रशासन की ओर से शनिवार को इस संबंध में आदेश जारी किया गया। अब तक 15 जून आवेदन की अंतिम तारीख थी। अब स्नातक पाठ्यक्रमों में आवेदन की अंतिम तारीख 25 जून और परास्नातक पाठ्यक्रमों में 30 जून तक आवेदन का मौका दिया गया है। यह दूसरी वार है जब विश्वविद्यालय की ओर से आवेदन तिथि वढ़ाई गई है।

विवि के प्रवक्ता दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि अभ्यर्थी विवि https://lkounivadm.samarth.edu.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। दाखिले के लिए विवि की ओर से अलग अलग पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। प्रवेश परीक्षा की तारीखों का ऐलान किया जाएगा।

JAGRAN CITY PAGE III

अब 25 तक यूजी, 30 तक होंगे पीजी के आवेदन

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2025-26 की केंद्रीयकृत प्रवेश व्यवस्था के अंतर्गत समर्थ पोर्टल पर आनलाइन स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए छात्रहित में एक बार फिर आवेदन की तिथि बढ़ा दी है। छात्र समूहों की मांग पर अब स्नातक व स्नतक प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में आवेदन फार्म भरने की अंतिम तिथि 15 जून से बढ़ाकर 25 जून तक कर दी गई है। अभी तक इसके लिए 15 जून तक तिथि निर्धारित दी। इसके अलावा परास्नातक व परास्नातक प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आनलाइन फार्म भरने की अंतिम तिथि भी 15 जून से बढ़ाकर 30 जून कर दी गई है। अभ्यर्थी आवेदन फार्म भरने संबंधी विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/ से ले सकते हैं।

AMRIT VICHAR PAGE 9

लखनऊ विश्वविद्यालय में आवेदन की तिथि बढ़ाई गई

अमृत विचार, लखनऊ : लविवि के सत्र 2025-26 की केंद्रीयकृत प्रवेश व्यवस्था के अंतर्गत समर्थ पोर्टल पर आनलाइन स्नातक पाठ्यक्रमों की विभिन्न छात्र एवं छात्र समूहों की मांग पर आवेदन फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 15 जून से बढ़ा कर 25 जून कर दी गई है। इसी प्रकार परास्नातक पीजी और पीजी प्रोफेशनल प्रोग्राम डिप्लोमा सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया में ऑनलाइन प्रवेश फार्म भरने की अंतिम तिथि 15 जून से बढ़ा कर 30 जून कर दी गई है ।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

षट्कर्म योग की विशेष प्रणाली : डॉ अमरजीत यादव

लखनऊ विश्वविद्यालय के योग सभागार में षट्कर्म कार्यशाला का आयोजन

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के योग विभाग, फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के तत्वावधान में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के आयोजन के क्रम में योग सभागार में षट्कर्म कार्यशाला का आयोजन किया गया। संकाय के कॉर्डिनेटर डॉ अमरजीत यादव ने योगाभ्यास में षट्कर्मों का महत्व बताते हुए कहा कि षट्कर्म योग की वह विशेष प्रणाली है, जो शरीर, मन और ऊर्जा-तंत्र की शुद्धि के लिए की जाती है। आज के तेज गति वाले और तनावपूर्ण जीवन में शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक प्रदूषण हमारी जीवनशैली का हिस्सा बन गया है। अनियमित खानपान, प्रदूषित पर्यावरण, डिजिटल युग की अधिकता, मानसिक तनाव और रोगप्रतिरोधक क्षमता की गिरावट झ्र ये सभी समस्याएं हमारे शरीर और मन को विषाक्त बना रही हैं।ऐसे में योग के षट्कर्म, जो हठयोग की शुद्धि क्रियाएं हैं, आधुनिक समय में अत्यंत प्रासंगिक और प्रभावशाली हैं। नेति और

कपालभाति जैसे षट्कर्म वायु प्रदूषण से प्रभावित श्वसन तंत्र की सफाई करते हैं, जिससे दमा, एलर्जी, और साइनस जैसे रोगों से राहत मिलती है। त्राटक क्रिया आंखों को स्वस्थ रखने के साथ-साथ एकाग्रता और मानसिक स्पष्टता को बढ़ाती है, जो आज के डिजिटल युग में अत्यंत आवश्यक है।षट्कर्म शरीर को विषाक्त तत्वों से मुक्त कर रोग प्रतिरक्षण प्रणाली को सशक्त करता है।

कार्यशाला में योगाचार्य अर्जुन कुमार श्रीवास्तव ने षट्कर्मों का अभ्यास कराया जैसे नेती, त्राटक, कपालभात आदि। साथ ही उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में जहां रोगों की संख्या बढ़ती जा रही है और मानसिक स्थिरता में कमी आती जा रही है, षट्कर्म उनका एक कारगर, वैज्ञानिक और प्राचीन समाधान प्रस्तुत करते हैं। इसके अतिरिक्त, लखनऊ विश्वविद्यालय के योग संकाय तथा केजीएमयू के संयुक्त तत्वावधान में दिव्यागजनों के लिए योगाभ्यास शिविरद्द का आयोजन,कृत्रिम अवयव एवं पुनर्वास केंद्र (लिंब सेन्टर) में किया गया, सफलता पूर्वक किया गया। शिविर में प्रोफेसर आरएएस कुशवाहा डीन स्टूडेंट वेलफेयर केजीएमयू, डॉ अनिल कुमार गुप्ता एचओडी कृत्रिम अवयव एवं पुनर्वास केंद्र (लिंब सेंटर) केजीएमयू, तथा विभाग के अन्य कर्मचारी बलराम श्रीवास्तव, प्रदीप गंगवार, वीरेंद्र कुमार दीक्षित भी उपस्थित थे। प्रो. आरएएस कुशवाहा ने बताया कि इस योग शिविर का उद्देश्य दिव्यांग जनों को शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य की दिशा में सशक्त बनाना है तथा उन्हें योग के माध्यम से आत्मबल और आत्मविश्वास से भरपूर जीवन जीने की प्रेरणा देना है। डॉ अनिल कुमार गुप्ता ने कहा कि योग विद्या तो सभी के लिए है।दिव्यांग जन भी योग के माध्यम से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य सुधार सकते हैं, बल्कि मानसिक सशक्तिकरण के माध्यम से आत्मनिर्भर और गरिमामय जीवन की ओर बढ़ सकते हैं। यह शिविर हमारी सामाजिक समावेशिता की दिशा में एक छोटा पर प्रभावशाली कदम है।

लखनऊ विश्वविद्यालय से योग प्रशिक्षक मोनिका सिंह, प्रीति मनुज तथा अर्चना वर्मा उपस्थित थीं, जिन्होंने दिव्यांग जानो को समग्र स्वास्थ्य में योग की भूमिका बताते हुए योगाभ्यास कराया।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 3

लविवि में स्नातक के लिए 25 व परास्नातक के लिए 30 जून तक कर सकेंगे आवेदन

लखनऊ । लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2025-26 की प्रवेश प्रक्रिया के तहत स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन की तिथि बढ़ा दी है। इसके तहत अभ्यर्थी अब स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 25 जून तक तथा परास्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए 30 जून तक ऑनलाइन आवेदन फार्म भर सकेंगे। अभी तक स्नातक तथा परास्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 जून निर्धारित थी। लविवि के प्रवक्ता दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया विश्वविद्यालय ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए 17 अप्रैल से आवेदन फार्म भराने की प्रक्रिया शुरू की थी तथा आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून तक की गयी थी। विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने छात्र हित में निर्णय लेते हुए स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन फार्म भरने की तिथि बढ़ा दी है। ऐसे में जिन अभ्यर्थियों ने सीयूईटी में आवेदन नहीं किया है तथा वह लखनऊ विश्वविद्यालय में पढ़ाई करना चाहते हैं, उनके लिए आवेदन फार्म भरने का बेहतर अवसर है। अभ्यर्थी लविवि की वेबसाइट पर समर्थ पोर्टल से आवेदन कर सकते हैं। अलग-अलग पाठ्यक्रमों का आवेदन शुल्क व अन्य सभी आवश्यक सूचनाएं विवि की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। किसी भी प्रकार की समस्या आने पर अभ्यर्थी 0522-4150500 पर संपर्क कर सकते हैं। यहां स्नातक के विभिन्न पाठ्यक्रमों में 4,250 तथा परास्नातक के विभिन्न पाठ्यक्रमों में 5,062 सीटे उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त कई डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा व सर्टीफिकेट कोर्स भी हैं।